भारतीय कृषि में प्रौद्योगिकी का महत्व

■ स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पिछली सदी में हमारा देश हमारे किसानों और कृषि क्षेत्र से संबंद्ध कार्यशक्ति के कारण खाद्यान्न, कपास, चीनी, दूध, मांस और पॉल्ट्री उत्पादों के मामले में आत्मनिर्भर बन गया है

भारतीय सभ्यता दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है और उसी प्रकार भारतीय कृषि भी उतनी ही प्राचीन है। प्राचीन भारतीय किसान बहुत अमीर थे, क्योंकि उस वक्त कृषि अपने आप में सबसे उन्नत एवं सम्मानित व्यवसाय था। आज भी आबादी का पचास प्रतिशत हिस्सा कृषि एवं संबंधित व्यवसायों पर ही निर्भर है। विदेशी आक्रमणकारियों एवं शासकों के कारण भारतीय परंपरायें, रीति-रिवाज, धार्मिक प्रथायें और इनके साथ-साथ कृषि भी प्रतिकूल तरीके से प्रभावित हुई और हमारी उन्नत कृषि अन्य देशों की तुलना में पिछड़ गयी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पिछली सदी में हमारा देश हमारे किसानों और कृषि क्षेत्र से संबंद्ध कार्यशक्ति के कारण खाद्यान्न, कपास, चीनी, दूध, मांस और पॉल्ट्री उत्पादों के मामले में आत्मनिर्भर बन गया है। चावल, मांस और समुद्री उत्पादों का कुल निर्यात में 52 प्रतिशत हिस्सा है। साथ ही हम अपने निर्यात के माध्यम से दुनियाभर में खाद्य उत्पादों की आपूर्ति भी कर सकते हैं।

किसान हितैषी मोदी सरकार ने 2022 तक निर्यात मूल्य को दोगुना करने के लिये नई निर्यात नीति का शुभारंभ किया है। सरकार यूएसडी के निर्यात मूल्य को 30 से बढ़ाकर 60 बिलियन अमेरिकी डॉलर करने की योजना बना रही है। कृषि से संबंधित मुद्दों का ध्यान रखने के लिये एक व्यापक कृषि नीति का आगाज किया गया है और इसी के तहत कई भारतीय दूतावासों में एग्री सेल बनाये गये हैं। वर्तमान सरकार के प्रयासों के कारण कृषि और कृषित्तर उत्पादों का निर्यात बढ़कर 2.73 लाख करोड़ हो गया है।

भारतीय किसानों को अन्य देशों के किसानों के साथ प्रतिस्पर्धा के लिये बेहतर रूप से तैयार करने के लिये केन्द्र और राज्य सरकारों के सहयोग से नई और उन्नत तकनीकों को अपनाने के अवसर प्रदान किये जा रहे हैं और इस क्षेत्र में और भी अधिक विकास की आवश्यकता है। हमारा औसत राष्ट्रीय उत्पाद अन्य देशों की तुलना में बहुत ही कम है और इसे बढ़ाने के लिये हमें निश्चित ही प्रौद्योगिकी का सहारा लेना पड़ेगा। निजी निवेशकों को भी निर्यातोन्मुखी गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। आधारभूत ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण कार्य करने होंगे।

गोदाम, शीत भंडारगृह, मार्केट यार्ड आदि जैसे ढांचागत विकास कार्यों से खाद्य पदार्थों की क्षति में कमी जा सकेगी। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देकर हम मूल्य संवर्धित सेवाओं को प्रोत्साहन दे सकते हैं। हमारे उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाकर हम अन्य देशों को हमारे खाद्य पदार्थ आयात करने के लिये आकर्षित कर सकते हैं। इस प्रकार के विभिन्न उपायों से 'ब्रांड इंडिया' को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी।

किसानों को अधिक लाभ देने के लिये सरकार कृषि व्यवसाय को बढ़ावा दे रही है। अमेजन, अलीबाबा, ई-बे, वालमार्ट जैसी ई-कॉमर्स एजेंसियों ने आर्टीफिसियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग के माध्यम से व्यापार की दुनिया में क्रांतिकारी परिवर्तन किये हैं। ई-कॉमर्स की इस क्रांति की तरह ही ई-कृषि/डिजिटल एग्रीकल्चर का एक प्लेटफॉर्म तैयार किया जा रहा है, जिससे कृषि व्यवसाय योजना प्रमुख शहरी एवं कस्बाई क्षेत्रों में भी पहुंचेगी। बिग बास्केट एवं ग्रोफर्स जैसी होम डिलीवरी एजेंसियों ने कृषि विशेषज्ञों की मदद से अपने स्वयं के लाभदायक कृषि व्यवसाय विकसित करने की राह प्रशस्त की है।

ग्रीन फार्म हाउस, पॉलीहाउस, विशेष सब्जियां उगाने के लिये छोटे जैविक फार्म आदि जैसे कृषि नवाचार गुणवत्ता एवं उचित मूल्य के कारण किसानों के लिये लाभदायक बन रहे हैं। जैविक खेती आजकल महिला कृषकों में भी लोकप्रिय हो रही है। आज कृषि व्यवसाय योजना को कृषक एक व्यवसायी के तौर पर एक स्टार्ट-अप के रूप में आरंभ कर सकता है और स्थायी आय के स्त्रोत के रूप में इनका विकास कर अपने उत्पादों को खुले बाजार में बेच सकता है। औषधीय पौधों जैसे कि ऐलोवेरा, नीम, तुलसी आदि का चिकित्सकीय एवं फार्माक्यूटिकल क्षेत्रों के लिये बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण उन्नत कृषि तकनीकें जो भारतीय कृषि का कायापलट कर सकती हैं वे इस प्रकार हैं-

1. जैव प्रौद्योगिकी :- यह ऐसी तकनीक है जो किसानों को उन्नत कृषि पद्धतियों का उपयोग कर कम क्षेत्र में अधिक उत्पादन में सहयोग करती है। यह पर्यावरण के अनुकूल तकनीक भी है और इससे पौधों एवं पशु अपशिष्ट का उपयोग कर खाद्य उत्पादन को बढ़ावा देने में सहयोग मिलता है।

2. नैनो विज्ञान :- यह एक ऐसी तकनीक है जो स्मार्ट डिलीवरी सिस्टम और नैनो सेंसर के माध्यम से किसानों को इस बात की जानकारी देती है कि पानी और आवश्यक तत्व पौधों को पर्याप्त रूप से मिल रहे हैं या नहीं। साथ ही यह उत्पादित भोजन की गुणवत्ता की जानकारी भी देती है।

3. भू-स्थानिक खेती की सहायता से बड़े पैमाने पर कृषि उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है। खरपतवार, मिट्टी की गुणवत्ता एवं नमी, बीज की उत्पादन दर, उर्वरक आवश्यकताओं एवं अन्य कारकों के आधार पर उच्च उत्पादन किया जा सकता है।

4. बिग डेटा :- बिग डाटा से स्मार्ट कृषि होगी और किसानों को समय पर सही निर्णय लेने में सहायता प्राप्त होगी। इससे पूर्वानुमान में मदद मिलेगी जिससे कृषि विकास मजबूत होगा।

5. ड्रोन्स :- ये निगरानी कार्य के माध्यम से कम लागत एवं कम नुकसान का काम कर उत्पादन बढ़ाने में सहायता करते हैं। उन्नत सेंसर, डिजिटल इमेजिंग की क्षमता, मिट्टी का विश्लेषण, फसल स्प्रेइंग, फसल निगरानी, फंगस संक्रमण सहित फसलों के स्वास्थ्य का विश्लेषण ड्रोन तकनीक के माध्यम से संभव है। कृषि और अन्य कार्यों के लिये आवश्यक अनुमति केन्द्र सरकार से अभी मिलनी बाकी है।

अभी हाल ही में राजस्थान में हुए टिड्डी हमलों जैसी आपदाओं में भी ड्रोन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। दुनियाभर में व्याप्त कोरोना महामारी के संकट को हम एक अवसर के रूप में प्रयुक्त कर सकते हैं क्योंकि इस महामारी के कारण पूरे विश्व में खाद्य पदार्थों की कमी को लेकर चिंता है। इसी चिंता की वजह से मांग और आपूर्ति में भारी अंतर आने लगा है क्योंकि लोग खाद्य पदार्थों का भंडारण करने लग गये हैं।

ऐसी स्थिति को हम भारतीय एक अवसर के रूप में काम में लेकर इस तरह से इस्तेमाल कर सकते हैं जिससे हमारे किसानों की आर्थिक समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हो। यह उपाय भारत को कृषि क्षेत्र में भी एक अहम स्थान प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आज का जमाना विज्ञान एवं तकनीक का जमाना है। हमें भी समय के साथ चलते हुए तकनीकों का इस्तेमाल कर हमारी कृषि का इस तरह विकास करना चाहिये ताकि प्रौद्योगिकी हमारी मददगार बन सके और प्रौद्योगिकी के माध्यम से हम समावेशी कृषि विकास का वांछित लक्ष्य प्राप्त कर सकें।

-कैलाश चौधरी,
(केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री)

फर्जीवाड़ा कर गरीब मजदूरों का निवाला जीम रहे सरकारी कारिंदे

बाड़ी की सेवरपाली ग्राम पंचायत में मनरेगा कार्यों में हो रहा फर्जीवाड़ा

■ मामले में पीड़ित मजदूरों ने मेट, सहायक सचिव और सचिव पर आरोप लगाते हुए जिला कलेक्टर धौलपुर को ज्ञापन सौंपा है

■ कहीं चहेतों के बैंक खाते मजदूरों के जॉब कार्ड से जोड़कर तो कहीं मृतक के नाम से उठा रहे भुगतान

■ तीन वर्ष से भुगतान नहीं मिलने पर सदर थाने में मामला दर्ज कराया

बाड़ी, (निसं)। पंचायत समिति बाड़ी की ग्राम पंचायत सेवर पाली में मनरेगा कार्य में चल रहे फर्जीवाड़े को लेकर मनरेगा मजदूरों ने मेट, सहायक सचिव और सचिव पर आरोप लगाते हुये सदर थाना पुलिस में जहां तहरीर दी है, वहीं जिला कलेक्टर धौलपुर को ज्ञापन देकर मनरेगा में तीन साल से मजदूरी के भुगतान की मांग की है।

ग्राम पंचायत सेवर पाली में मनरेगा में चल रहे फर्जीवाड़े को लेकर दिनेश पुत्र रामजीलाल निवासी सेवर पाली सहित दर्जनभर पीड़ितों ने बाड़ी सदर थाना में शिकायत दर्ज कराई है कि वह 2017 से मनरेगा में मजदूरी करते आ रहे हैं, परंतु नरेगा में मजदूरी करने की राशि आज तक नहीं मिली है। पीड़ित लगातार नरेगा में कार्य कर रहा है, मजदूरी मांगने पर मेट और एलडीसी लंबे समय से आजकल करते हुये टालते चले आ रहे हैं।

पीड़ित ने जब अपने नरेगा कार्य की लिस्ट निकलवाई तब मालूम हुआ कि पीड़ित के जॉब कार्ड को किसी चहेते व्यक्ति के बैंक अकाउंट से जोड़ रखा है, जिसमें पीड़ित की नरेगा मजदूरी को फर्जी एवं धोखाधड़ी से निकाला जा रहा है। 15 जुलाई 2020 को पीड़ित ने मुल्जिमों से मजदूरी नरेगा के रुपये मांगे तो उक्त आरोपियों ने पीड़ित से गंदी गंदी गालियां दी, मारने-पीटने पर उतारू हो गए और कहने लगे कि ज्यादा करेगा तो तेरे जॉब कार्ड को डिलीट कर देंगे। जब इस धोखाधड़ी की जांच की तो सामने आया कि उक्त आरोपियों ने फर्जीवाड़ा करके कंचन पुत्र सांवरिया जो 8 साल पहले खत्म हो चुका था, उसकी भी मस्टरोल फर्जी चलाकर रुपया उठाया जा रहा है और मान सिंह पुत्र लज्जाराम की फर्जी तरीके से मुन्ना पुत्र लज्जाराम के नाम से चलाकर रुपयों का गबन किया गया है, जिसकी शिकायत की तो उस मस्टरोल को डिलीट कर दिया।

इसी प्रकार उक्त मुल्जिमानों ने ऐसे और भी नरेगा मजदूरी के फर्जी तरीके से पैसे निकाले हैं तथा सरकारी पैसे का दुरुपयोग किया है, पीड़ितों ने थाना अधिकारी और जिला कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई है और ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

योगेंद्र सिंह राजावत थानाधिकारी सदर बाड़ी का कहना है कि पीड़ितों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर मामले में पुलिस द्वारा रिकॉर्ड जांच की जा रही है, अगर कहीं फर्जीवाड़ा सामने आता है तो मामला दर्ज कर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

रामजीत सिंह विकास अधिकारी बाड़ी का कहना है कि अभी मामला मेरी जानकारी में नहीं आया है। अगर कोई शिकायत मिलती है, तो जांच कर कार्यवाही की जायेगी।

चूरू सर्किट हाउस के आगे कचरा पात्र रखने से जमा हुई भारी गंदगी

दिनभर आवारा गौवंश का लगा रहता जमावड़ा

चूरू जिला मुख्यालय पर स्थित सर्किट हाऊस के द्वार के आगे भारी मात्रा में एकत्रित गंदगी प्रशासन की सतर्कता की पोल खोल रही है।

चूरू, (कासं.)। चूरू जिला मुख्यालय पर स्थित सर्किट हाऊस के द्वार के आगे भारी मात्रा में एकत्रित गंदगी प्रशासन की लापरवाही है। साथ ही सर्किट हाऊस जैसे महत्वपूर्ण स्थान के द्वार के आगे का दृश्य देखकर यहां शहर की सफाई व्यवस्था की दयनीय स्थिति का भी अंदाजा लगाया जा सकता है।

यहां सर्किट हाऊस के दो गेट हैं, जो मुख्य सड़क की ओर खुलते हैं। यह गेट लगभग बंद ही रहता है। ऐसे में गेट के सामने ही कचरा पात्र रख दिया गया है। आसपास के लोग कचरे को कचरा पात्र में डालते हैं, उसके भर जाने के बाद कचरा पात्र के पास ही कचरा फैंक दिया जाता है। यहां दिनभर आवारा गौवंश का जमावड़ा लगा रहता है। यहां आवारा पशु कई जनों को घायल भी कर चुके हैं। इस संबंध में सर्किट हाऊस के कर्मियों ने भी चुप्पी साध रखी है।

हालांकि यहां सर्किट हाऊस में मंत्री से लेकर कई अधिकारीगण यहां ठहरते हैं। उसके बाद भी सर्किट हाऊस के द्वार के आगे नियमित सफाई नहीं रहती है। यहां से गुजरने वाले सैंकड़ों लोग सर्किट हाऊस के द्वार के आगे एकत्रित कचरा व वहां रखे कचरा पात्र को देखकर प्रशासन पर व्यंग्य कसे बिना नहीं रहते हैं। संबंधित अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को इस ओर ध्यान देना चाहिए। यहां सर्किट हाऊस के द्वार के बीचोंबीच कचरा पात्र रखना भी सवाल खड़ा करता है। साथ ही आवारा गौवंश को गौशालाओं में भेजे जाने की वास्तविकता भी सामने आ रही है। यहां गौवंश को प्रतिबंधित प्लास्टिक की थैलियां खाते हुए देखा जा सकता है। यहां कानून की पालना नहीं होने से यह सब हो रहा है।

अलवर एसीबी ने रिश्वत लेने के आरोप में दो कर्मचारियों को दबोचा

सीडीपीओ फरार, जब्त किये गये वाहन से 97500 रिश्वत की राशि बरामद

घूसखोर मनोहर लाल

घूसखोर कैलाश मीणा

अलवर, (निसं)। एसीबी ने शुक्रवार को बानसूर स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय में ट्रैप कार्रवाई करते हुए दो कर्मचारियों को धर दबोचा। बतौर रिश्वत 97500 राशि लेने वाले अधिकारी के तत्काल फरार होने पर उनके वाहन को जप्त कर वाहन में रखी रिश्वत राशि को बरामद कर लिया। यह रिश्वत राशि स्वयं सहायता समूहों के पोषाहार की राशि के बिल पास करने के एवज में ली गई थी।

एसीबी के उपाधीक्षक महेंद्र मीणा ने बताया कि बानसूर क्षेत्र के गांव हाजीपुर निवासी परिवादी रामनिवास यादव ने 29 जुलाई को एसीबी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई कि बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) प्रदीप कुमार गिलोटिया, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी कैलाश चंद मीणा व वरिष्ठ सहायक मनोहर लाल द्वारा अक्षिता स्वयं सहायता समूहों सहित अन्य समूहों के पोषाहार सप्लाई के बिल का भुगतान नहीं किया जा रहा। माह फरवरी से अप्रैल तक के 6 लाख 60 हजार रुपए और वर्ष 2018 की राशि लगभग 5 लाख के बिल का भुगतान नहीं कर उनके द्वारा समूह के बिल माह अगस्त 2019 से जनवरी 20 तक की पारित राशि 12.87 लाख रुपये का 20 प्रतिशत कमीशन राशि लगभग 2,33,400 रुपये की बतौर रिश्वत मांग की जा रही है।

शिकायत पर एसीबी ने मामले का सत्यापन कराया। इस दौरान बानसूर के सीडीपीओ प्रदीप कुमार गिलोटिया द्वारा परिवादी को कैलाश चन्द मीणा एवं मनोहर लाल को कोई रिश्वत नहीं देने के लिये मना करते हुए स्वयं के लिये राशि 3 लाख की मांग करना, इधर, कैलाश चन्द मीणा एवं मनोहर लाल द्वारा परिवादी से सीडीपीओ को रिश्वत राशि देने से मना करने व उन दोनों द्वारा अपने लिये 1.50 लाख रुपये की मांग करने की पुष्टि हुई। इस पर 30 जुलाई को ट्रेप कार्रवाई करते हुए परिवादी से उनके द्वारा मांगी गई पूर्ण रिश्वत राशि की व्यवस्था नहीं होने के कारण 50,000 रुपये रिश्वत राशि के पाउडर लगे नोट देकर परिवादी को सीडीपीओ प्रदीप कुमार गिलोटिया बानसूर के पास भेजा गया। इस पर उक्त आरोपी प्रदीप कुमार गिलोटिया परिवादी से अपने कार्यालय में लगाये हुए वाहन में परिवादी को बैठाकर उसे बानसूर कस्बे में ले जाकर 50,000 रुपये की रिश्वत राशि लेकर मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश जारी है। आरोपी प्रदीप कुमार गिलोटिया द्वारा रिश्वत राशि लेने के लिये उपयोग लिये गये वाहन को जब्त कर उसमें रखी 97,500 रुपये की राशि बरामद की गई।

उक्त कार्रवाई से आरोपी कैलाश चन्द मीणा अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी एवं मनोहर लाल वरिष्ठ सहायक कार्यालय बाल विकास परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग बानसूर द्वारा अपने स्वयं के लिये 1.50 लाख रुपये की रिश्वत राशि मांग करने एवं रिश्वत राशि लेने के लिये बार-बार तकादा करना प्रथम दृष्टया प्रमाणित होने पर उन दोनों को गिरफ्तार किया गया। अभी इनसे पूछताछ जारी है।

■ यह रिश्वत राशि स्वयं सहायता समूहों के पोषाहार की राशि के बिल पास करने के एवज में ली गई थी

■ 50,000 रुपये रिश्वत राशि के पाउडर लगे नोट आरोपी ले भागा

जोधपुर एसीबी ने ग्राम पंचायत के कनिष्ठ सहायक को रिश्वत लेते पकड़ा

मनरेगा में टांके का बकाया भुगतान करने की एवज में मांगी रिश्वत

■ सांगरानाड़ी ग्राम पंचायत का कनिष्ठ सहायक जबराराम को पाटोदी स्थित किराये के मकान से गिरफ्तार किया

बालोतरा, (निसं)। जोधपुर एसीबी की स्पेशल टीम ने शुक्रवार को पाटोदी पंचायत समिति की सांगरानाड़ी ग्राम पंचायत के कनिष्ठ सहायक को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

जोधपुर एसीबी की स्पेशल टीम ने सांगरानाड़ी ग्राम पंचायत के कनिष्ठ सहायक चार्ज ग्राम विकास अधिकारी सहायक जबराराम को अपने पाटोदी स्थित किराये के मकान में रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र चौधरी ने बताया कि सांगरानाडी निवासी सांवलाराम ने उपमहानिरीक्षक विष्णुकांत के समक्ष परिवाद पेश कर ग्राम पंचायत के ग्राम विकास अधिकारी जबराराम ने मनरेगा में टांके का बकाया भुगतान करने की एवज में 6000 रुपये मांगे जा रहे हैं।

इस पर एसीबी ने परिवाद का सत्यापन करवाया गया, जिस पर 1000 रुपये की राशि ली। उसके बाद जोधपुर से स्पेशल टीम पाटोदी पहुंची और परिवादी के साथ एबीसी की ओर से रैकी गई तथा दोपहर 2.30 बजे बाद परिवादी को कनिष्ठ सहायक जबराराम एक दुकान पर मिला और घर आकर पैसे देने की बात कही। इस पर परिवादी सांवलाराम घर पहुंचा और रिश्वत की राशि जबराराम को दी। इशारा मिलते ही एसीबी की टीम ने दबिश देते हुए जबराराम को गिरफ्तार किया।

एसीबी ग्राम पंचायत से जुड़े कामों की करेंगी जांच:- जानकारी के अनुसार एसीबी को कार्रवाई के दौरान कई अहम सुराग हाथ लगे हैं। प्रांरभिक पूछताछ में ग्राम पंचायत में 104 मनरेगा टांकों का निर्माण सहित स्वच्छ भारत मिशन के तहत बने शौचालयों में भी रिश्वत की राशि वसूलने की जानकारी मिली हैं।

मनरेगा टांके की फाइल जब्त की :- कार्रवाई के दौरान एसीबी ने परिवादी सांवालाराम से जुड़ी मनरेगा की फाईले भी ग्राम पंचायत से जब्त की हैं। एसीबी कार्रवाई के दौरान सीआई मनीष वैष्णव के नेतृत्व में हैड कांस्टेबल प्रभूराम, भूरसिंह, रूपसिंह, दलेष कुमार, प्रेमसिंह, दिलीप कुमार, लालाराम व मगराज मौजूद रहे।

सात माह बाद बुहाना को मिली नई एसडीएम

झुंझुनूं, (निसं)। राज्य सरकार ने गुरुवार रात तबादला सूची जारी कर 95 आरएएस अधिकारियो के तबादले किए। इसमें जिले से भी फेरबदल किया है।

झुंझुनूं के नवलगढ एसडीएम मुरारीलाल शर्मा को उपायुक्त एसएमएसए एवं राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर लगाया है। इनकी जगह बनेडा भीलवाडा एसडीएम इंद्राजसिंह को नवलगढ लगाया है। वहीं सात माह से लगभग खाली चल रहे बुहाना को भी अब नई एसडीएम मिल गई है। प्रतापगढ पीपलखूंट एसडीएम जीतू कुलहरी को बुहाना एसडीएम लगाया गया है। इधर झुंझुनूं तहसीलदार योगेश कुमार देवल के हाल ही में आरएएस में पदोन्नत होने पर उन्हें भी बहरोड एसडीएम पद पर लगाया गया है।

फैक्ट्री में मिले उड़ीसा के बाल श्रमिक

बीकानेर, (निसं) । उड़ीसा, कालाहांडी से 08 बच्चे किसी दलाल के मार्फत बीकानेर लाए गए थे, जो कि गजनेर स्थित सिरेमिक फैक्ट्री में कार्यरत थे।

जानकारी प्राप्त होने पर रेस्क्यू टीम के द्वारा उन बच्चों को बालश्रम से मुक्त कराकर डॉ किरण सिंह अध्यक्ष, बाल कल्याण समिति बीकानेर के आदेश से 06 नाबालिग बच्चों को किशोर गृह में प्रवेश दिया गया।

राशिफल शनिवार 1 अगस्त 2020

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शनिवार, विक्रम सम्वत 2077 मूल नक्षत्र प्रात: 6.48 तक, वैधति योग प्रात: 9.23 तक, कौलव करण प्रात: 10.19 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति : सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मीन, बुध-मिथुन, गुरू-धनु, शुक्र-मिथुन, शनि-मकर, राहु-मिथुन, केतू-धनु राशि में संचार करेगा।

आज रवियोग प्रात: 6.48 से आरम्भ होगा। आज बुध कर्क राशि में रात्रि 3.31 पर प्रवेश करेगा।

आज शनि प्रदोष व्रत अश्वत्क मारुति पूजन, वैधृति पुण्य आखेटक त्रयोदशी है। आज ईद-उल-जुहा (बकरीद) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया : शुभ 7.35 से 9.14 तक, चर 12.33 से 21.2 तक, लाभ-अमृत 2.12 से 5.31 तक।

राहुकाल : 9.00 से 10.30 तक,

सूर्योदय 5.55 सूर्यास्त 7.11

मेष

नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। शुभ कार्यों के लिए यात्रा सम्भव है। व्यावसायिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सिंह

व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

धनु

अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धन खर्च होगा।

वृष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। मित्रों-रिश्तेदारों का व्यवहार ठीक नहीं रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह संपन्न हो सकते हैं।

मकर

धार्मिक-सामाजिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। धार्मिक कार्यों के कारण भाग-दौड़ रहेगी। अर्नगल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन

परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

तुला

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिलेगा। कारोबारी वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित धन प्राप्त होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

कुंभ

आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख सुविधाएं बढ़ेंगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। मन में बना हुआ भय समाप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सुसंदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मीन

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक सफलता से आत्मविश्वास बढ़ेगा। नौकरी पेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

अस्थायी टीबी चिकित्सकों की सेवा समाप्ति के आदेशों पर रोक

■ इस मामले में अब अगली सुनवाई 4 सप्ताह बाद होगी

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अस्थायी टीबी चिकित्सकों की सेवा समाप्ति के आदेशों पर रोक लगाई है। साथ ही चिकित्सा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, निदेशक (जनस्वास्थ्य), जिला कलेक्टर जोधपुर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जोधपुर सहित अन्य को जवाब-तलब किया है। इसमें अब अगली सुनवाई 4 सप्ताह बाद होगी।

याचिकाकर्ता डॉ. छोटाराम भाकर और डॉ. भूपेंद्र ग्वाला की ओर से अधिवक्ता यशपाल खिलेरी ने रिट याचिका पेश कर बताया कि डॉ. छोटाराम भाकर और डॉ. भूपेंद्र ग्वाला की नियुक्ति चिकित्सा अधिकारी पद पर राज्य सरकार ने नियमित चयन प्रक्रिया पूरी कर मेरिट अनुसार हुई थी। वे पिछले ढ ई वर्ष से अपनी संतोषजनक सेवाएं चिकित्सा विभाग के अधीन दे रहे है और वर्तमान में कोरोनाकाल में गत 4 माह से बिना अवकाश के ड्यूटी कर रहे है। उनकी सेवा अवधि भी साल पूरा होने पर बढाई गयी है। फिर भी राज्य सरकार ने एक वर्ष पूरे होने पर प्रावधान नहीं होना बताकर परिपत्र पारित किया जिसकी पालना में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जोधपुर ने याचिकर्ताओ की सेवा समाप्ति के आदेश पारित कर दिए जो सेवा न्यायशास्त्र के सिद्धांतों के विपरित हैं।

पूर्व में भी हाइकोर्ट ने सेवारत चिकित्सको को नियमित चिकित्सक नियुक्त होने तक सेवा समाप्ति करने के आदेशों को अपास्त किया है। खिलेरी ने पूर्व न्यायिक दृष्टान्त की और न्यायालय में ध्यान आकर्षित किया। साथ ही बताया कि अस्थायी सेवा के तीन वर्ष पूर्ण होने पर मेडिकल पीजी कोर्स में 30 अंक इंसेंटिव के मिलते है जिससे भी याची वंचित हो जाएंगे।

याचिकाकर्ताओ के अधिवक्ता के तर्कों को सुनकर एबं पत्रावली का परिशीलन करने में पश्चात हाइकोर्ट के वरिष्ठ न्यायधीश डॉ पुष्पेंद्र सिंह भाटी ने राज्य सरकार के आदेश और सीएमएचओ जोधपुर के सेवा समाप्ति के आदेशों की क्रियान्विति पर रोक लगाते हुए राज्य सरकार एवं अन्य से चार सप्ताह में जवाब तलब किया है।